संक्षिप्त विवरण भेजने की अंतिम तिथि **15 फरवरी, 2017** है।

पंजीकरण के लिए कोई शुल्क नहीं है।

एनआईओएस प्रतिभागियों के आवास और भोजन आदि की व्यवस्था करेगा। यात्रा का व्यय प्रतिभागियों को स्वयं वहन करना होगा।

प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

ए 24-25, सेक्टर-62, इंस्टीट्यूशनल एरिया, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

ईमेल - vidya@nios.ac.in

सम्मेलन समिति

- परामर्श और मार्गदर्शन
  आचार्य चंद्रभूषण शर्मा
  अध्यक्ष, एनआईओएस
- सम्मेलन निदेशक
  डॉ. राजेश कुमार
  निदेशक (शैक्षिक व व्यावसायिक शिक्षा विभाग)
- प्रबंध सचिव
  श्री सी. धारूमन
  सचिव
- सम्मेलन समन्वयक
  डॉ. संध्या कुमार
  उप निदेशक (शैक्षिक)
  डॉ. ममता श्रीवास्तव
  उप निदेशक (व्यावसायिक शिक्षा)

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

सा विद्या या विमुक्तये

राष्ट्रीय सम्मेलन

आलेख के लिए आमंत्रण

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

नवंबर 1989 में स्थापित, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित स्वायत्त संस्थान है जिसका मिशन मुक्त और दूर शिक्षा पद्धतियों के माध्यम से लोगों तक सार्थक स्कूली शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण पहुँचाना है। इसमें हर वर्ष लगभग पाँच लाख विद्यार्थी दाखिला लेते हैं, और एनआईओएस विद्यार्थियों की परीक्षा लेकर सफल विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देने का कार्य भी करता है। संस्थान में 150 से अधिक विषयों पर काम होता है और उनके लिए मुद्रण और अन्य माध्यमों में पाठ्यचर्या और अध्ययन सामग्री, आदि तैयार की जाती है। एनआईओएस का उद्देश्य देश में स्कूल स्तर की शिक्षा, और मुक्त व दूर शिक्षा के क्षेत्र में मानक स्थापित करना, अनुसंधान व विकास, और प्रशिक्षण के कार्यक्रम आयोजित करना भी है।

प्रस्तावित सम्मेलन

भारत वर्ष अपने गौरवशाली दिनों में विद्या का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। उत्तर भारत में काशी, तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वलभी, ओदंतपुरी, जगद्दल, नदिया, मिथिला, प्रयाग, अयोध्या आदि विद्या के केंद्र थे, तो दक्षिण भारत के एन्नारियम, सलौत्गि, तिरुमुक्कुदल, मलकपुरम् तिरुवोरियूर में प्रसिद्ध विद्यालय थे। आध्यात्मिक से लेकर भौतिक क्षेत्रों में भारत ने महत्वपूर्ण प्रगति की थी जिसके प्रमाण आज भी विभिन्न पुरालेखों में हमें मिल जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान भारतीय विद्या के बिना अधूरा है। तथापि, आज के समय में विभिन्न कारणों से विद्या का स्थान शिक्षा ने ले लिया है। शिक्षा पद्धतियों में परिवर्तन के लिए विभिन्न आयोगों और सरकारी, गैर–सरकारी प्रयासों ने अनवरत कार्य किए हैं, किंतु वे भारत की गौरवशाली परंपरा तक नहीं पहुँच सके। इसलिए हमें शायद बार–बार हमारी शिक्षा पद्धति और शिक्षा की प्रक्रियाओं पर चिंतन–मनन करने की आवश्यकता है।

एनआईओएस भारत की विद्या की प्रभावी परंपरा और भारतीय शिक्षा पद्धति के स्वरूप पर पुनर्विचार के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

उद्देश्य :

सम्मेलन के उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- शिक्षा के वर्तमान स्वरूप पर विचार–विमर्श
- भारत विद्या परंपरा की प्रस्तुति
- भारतीय परिस्थितियों के लिए आदर्श शिक्षा का स्वरूप प्रस्तुत करना
- भविष्य में इस विषय पर विचार–विमर्श और शोध प्रेरित करना

तिथियाँ : 23–24 मार्च, 2017

स्थान :

कल्याण सिंह सभागार, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र – दिल्ली, ए–31, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर–62, राष्ट्रीय राजमार्ग 24, नोएडा, जिला–गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश

विषय और उपविषय

1. शिक्षा का वर्तमान स्वरूप
2. विद्या का स्वरूप
   - 2.1. अविद्या
   - 2.2. विद्या
3. ज्ञान
   - 3.1. सैद्धांतिक ज्ञान
   - 3.2. व्यावहारिक ज्ञान
4. प्रभावी विद्या का स्वरूप

सम्मेलन का पृष्ठभूमि प्रपत्र वेबसाइट पर उपलब्ध है।

पंजीकरण और आलेख प्रस्तुति :

इस विषय में रुचि रखने वाले विद्वानों, अध्यापकों, शोधार्थियों आदि से आलेख आमंत्रित किए जाते हैं। प्रारंभ में कृपया आलेख का संक्षिप्त विवरण अधिकतम 300 शब्दों में प्रस्तुत करें। इसकी स्वीकृति पर पूरा आलेख प्रस्तुत करना होगा जिसकी शब्द सीमा 3,500 होगी। पंजीकरण और संक्षिप्त विवरण की प्रस्तुति एनआईओएस की वेबसाइट www.nios.ac.in पर की जा सकती है।

NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING

सा विद्या या विमुक्त्ये

(Education Liberates)

NATIONAL CONFERENCE

CALL FOR PAPERS

National Institute of Open Schooling was established in November 1989. NIOS is an autonomous institution of MHRD, Government of India with a mission to take school education and vocational training to the people through Open and Distance Education mode.

Every year more than five lakh students take admission in NIOS and the NIOS also conducts examinations and awards certificates to successful students. The institution works in more than 150 subjects and for which learning material is prepared in print and other media. The objective of NIOS is to establish standards in school education and Open and Distance Education, promote research and development, and organize programmes for training.

India has been an important centre of education in its golden years. In North India Kashi, Takshila, Nalanda, Vikramshila, Vallabhi, Odantpuri, Jagddal, Nadia, Mithila, Prayag, Ayodhaya were the centres of education and whereas in South India Ennarium, Salothig, Thirumukkudal, Malakpuram Thiruvoriyoor had famous schools. India had made great progress in all areas from Philosophy to Material Sciences, proof of which can be found in many historical texts. International knowledge is incomplete without the inclusion of Indian knowledge. Today, for various reasons, education has taken the place of knowledge. Although various Commissions and governmental and non-governmental organizations have worked tirelessly to bring about a change in educational policies in India, they have not been able to touch the glorious heights of ancient India. Perhaps there is a need to constantly examine and consider our education system and its processes.

NIOS proposes to organize a two day National Conference to deliberate upon the effective tradition of Indian knowledge and the nature of Indian education system.

Objectives:

The Conference objectives are to:

- deliberate upon the present day structure of education;
- present the Indian tradition of 'vidya';
- present the ideal nature of education in the Indian perspective;
- encourage discussion on and research in this area in future.

Dates: 23-24 March 2017

Venue: Kalyan Singh Auditorium, National Institute of Open Schooling, Regional Centre-Delhi, A 31, Institutional Area, Sector 62, NH 24, NOIDA, District Gautam Buddh Nagar, Uttar Pradesh

Theme and Sub-Themes

1. Present Day Nature of Education
2. Nature of 'Vidya'
   2.1 'avidya'
   2.2 'vidya'
3. Knowledge
   3.1 Theoretical Knowledge
   3.2 Practical Knowledge
4. Nature of Effective 'vidya'

The background note on the Conference is available on the website.

Registration and Call for Papers

Persons interested in this area such as educationists, teachers, researchers are invited to send their contributions for the Conference. Please submit an abstract not exceeding 300 words, of your paper. The full paper of about 3500 words may be submitted after the acceptance of the abstract. The registration and submission of abstract can be done on the NIOS website at www.nios.ac.in
The last date for submission of abstract is February 28, 2017.
There is no registration charge.

NIOS shall make arrangements for the boarding and lodging of the participants but they shall have to bear all travel costs themselves.

All participants shall be given a Certificate of Participation

Conference Secretariat

Advice and Guidance	Prof. Chandra Bhushan Sharma Chairman, NIOS
Conference Director	Dr. Rajesh Kumar Director, Academic & Vocational Education Departments
Managing Secretary	Sh. C Dharuman Secretary
Conference Coordinator	Dr. Sandhya Kumar Deputy Director, Academic
	Dr. Mamta Srivastava Deputy Director, Vocational Education